पिछले समय में जब लोगों को आख़िरी दिनों के बारे में बताया जाता था, तो वे कांपते थे और रोते थे। लेकिन आज, बहुत से लोग इन चेतावनियों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं; भय जैसे समाप्त हो गया हो। लोग यह मानते हैं कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में लिखे गए न्याय किसी दूर भविष्य की बातें हैं, जो सिर्फ़ आने वाली पीढ़ियों पर लागू होंगे — इसलिए वे उन्हें अपने लिए महत्वहीन समझते हैं। कुछ लोग इन्हें हल्के में लेते हैं, और कुछ तो पवित्र शास्त्र का उपहास तक करते हैं, जब वह उस दिन का वर्णन करता है जब राजा, सेनापति, शासक, धनवान, ग़ुलाम और सब लोग चट्टानों और पहाड़ों के नीचे छिपने की कोशिश करेंगे, और मसीह — उस मेम्ने — के क्रोध से बचने की प्रार्थना करेंगे। (प्रकाशितवाक्य 6:12-17)

यह कोई ऐसा समय नहीं है जिसकी कामना की जाए। यही कारण है कि प्रभु ने हमें पहले ही चेतावनी दे दी है: जब कोई व्यक्ति
मेम्ने के क्रोध में फँस जाएगा, तब तक मसीह की कृपा बहुत
पहले जा चुकी होगी। परमेश्वर न्याय का परमेश्वर है; जैसा कि शास्त्र कहता है: “जो कुछ मनुष्य बोता है, वही वह काटेगा।” (गलातियों 6:7)

ये दिन विशेष रूप से परमेश्वर द्वारा ठहराए गए हैं ताकि इस संसार की बुराई पर न्याय किया जा सके। यह एक विशेष समय है जो

उनके लिए तय किया गया है जो आज उद्धार को ठुकराते हैं और सत्य का विरोध करते हैं।

इतिहास में, परमेश्वर ने पहले भी न्याय किया है: नूह के समय में जलप्रलय के द्वारा, और सदोम में अग्नि के द्वारा। फिर भी आज, बहुतों ने इन उदाहरणों को देखा है लेकिन वे मन नहीं फिराते। शास्त्र चेतावनी देता है कि यह पीढ़ी क्लेश, महामारी और आग के लिए तैयार की गई है। अंतिम विनाश से पहले, परमेश्वर पहले इस जीवन में किए गए पापों का न्याय करेगा — क्लेश और विपत्तियों के माध्यम से — और अंततः उन्हें आग की झील में शाश्वत न्याय मिलेगा।

यीशु ने इन भयावह दिनों को “प्रतिशोध के दिन” कहा, जब उन्होंने जैतून पर्वत पर अपने चेलों से अंतिम दिनों की घटनाओं के बारे में कहा:

“क्योंकि ये बदला लेने के दिन हैं, ताकि जो कुछ लिखा गया है
वह सब पूरा हो।”
— (लूका 21:22)

शास्त्र में जो कुछ भी लिखा गया है, वह पूरा होगा। पृथ्वी पर जो

निरंतर पाप हो रहे हैं — हत्या, व्यभिचार, मूर्तिपूजा, टोना- टोटका और अन्य पाप — उन सबका परमेश्वर हिसाब लेगा।

“प्रभु यहोवा कहता है: देखो, विपत्ति पर विपत्ति आ रही है… अन्त आ पहुँचा है!”
— (यहेजकेल 7:5-8)

उन दिनों में कोई दया नहीं होगी। लोग रोएंगे, पछताएंगे, विनती करेंगे — लेकिन कोई नहीं सुनेगा, जब तक कि परमेश्वर का पूर्ण क्रोध नहीं उंडेला जाता।

“जिस किसी ने मूसा की व्यवस्था को ठुकराया, वह दो या तीन गवाहों की गवाही पर बिना दया के मार डाला जाता था। तो सोचो,
उस मनुष्य को कितनी अधिक कठोर सज़ा मिलेगी जिसने परमेश्वर
के पुत्र को तुच्छ जाना?”
— (इब्रानियों 10:28-30)

प्रिय जनों, लौदिकिया की कलीसिया (प्रकाशितवाक्य 3) मसीही युग की अंतिम कलीसिया का प्रतीक है। पहले की कलीसियाएं बीत चुकी हैं: छठी कलीसिया, फिलादेलफिया, को उसकी विश्वासयोग्यता के

कारण क्लेश के समय से बचा लिया गया (प्रकाशितवाक्य 3:10)। लेकिन लौदिकिया की कलीसिया — जो गुनगुनी और उदासीन है — प्रतिशोध के दिनों की साक्षी बनेगी, जब पूरी दुनिया की परीक्षा ली जाएगी।

यह न्याय केवल संसार के लोगों तक सीमित नहीं है। झूठे भविष्यवक्ता, रोमन कैथोलिक व्यवस्था से उठने वाला मसीह-विरोधी, झूठे शिक्षक और झूठे सेवक — सभी को न्याय का सामना करना पड़ेगा:

“उन चरवाहों पर हाय हो जो मेरी भेड़ों को नाश और तितर-बितर
करते हैं!” — यहोवा की यह वाणी है। “मैं तुम्हारे बुरे
कामों का दण्ड दूंगा।”
— (यिर्मयाह 23:1-2)

“मेरी सामर्थ्य उन भविष्यवक्ताओं के विरुद्ध होगी जो झूठे दर्शन देखते हैं और झूठ बोलते हैं।”
(यहेजकेल 13:6-11)

धोखा न खाइए। वे झूठे सुसमाचार जो केवल सांत्वना देते हैं और पाप व न्याय की सच्चाई को अनदेखा करते हैं, वे आपको नाश की ओर ले जाते हैं। उन दिनों में रोम की भ्रष्ट शक्ति — जो लाखों विश्वासियों की हत्यारी रही है भी परमेश्वर के न्याय से नहीं बचेगी। वही **बाबिलोन है जिसके बारे में प्रकाशितवाक्य में लिखा है:

“हल्लेलूय्याह! उद्धार और महिमा और सामर्थ्य हमारे
परमेश्वर की है, क्योंकि उसके न्याय सच्चे और धर्मी हैं; क्योंकि उसने उस बड़ी वेश्या का न्याय किया जिसने पृथ्वी को अपनी व्यभिचारिता से भ्रष्ट कर दिया, और उसने अपने दासों के लहू का बदला उससे लिया है।”
(प्रकाशितवाक्य 19:1-2)

अब देरी करने का समय नहीं है। अनुग्रह अभी भी उपलब्ध है:

“क्या मैं तुझे क्षमा करूं? तेरे पुत्रों ने मुझे त्याग
दिया और झूठे देवताओं की शपथ खाई। क्या मैं ऐसी जाति को दण्ड
न दूं?”
(यिर्मयाह 5:7-9)

“हे मेरे लोगो, उस (बाबिलोन) में से निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों में भागी न बनो, और उसकी विपत्तियों में भाग न पाओ।” (प्रकाशितवाक्य 18:4)

जब प्रेरित पतरस ने मसीह का सुसमाचार सुनाया, तो लोगों के मन छेदे गए और उन्होंने पूछा:

“भाइयो, हम क्या करें?”
(प्रेरितों के काम 2:37)

पतरस ने कहा: “मन फिराओ और तुम में से हर एक प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, पापों की क्षमा के लिए, और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।”
— (प्रेरितों के काम 2:38-39)

आज भी आत्मा तुम्हें बुला रहा है। मन फिराओ, यीशु के नाम में बपतिस्मा लो, और पवित्र आत्मा को ग्रहण करो — ताकि विद्रोही संसार के भागीदार न बनो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp